

कार्यालय—निदेशक, माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर

क्रमांक : शिविरा—माध्य/मा—स/विविध(25)/वो—2/2022—23/

दिनांक : .01.2024

जिला शिक्षा अधिकारी,
(मुख्यालय)—माध्यमिक,
समस्त।

अति—आवश्यक

विषय :- "Prerana : The School Of Experiential Learning" Program के सम्बन्ध में।
प्रसंग :- सचिव, शिक्षा मंत्रालय, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, भारत सरकार का D.O.
No. 7-2/2022-Sch.4/IS-17 Date : 03.01.2024
सन्दर्भ :- इस कार्यालय का समसंख्यक पत्र दिनांक : 05.01.2024

उपर्युक्त विषयान्तर्गत प्रासंगिक एवं सन्दर्भित पत्र के क्रम में निर्देशानुसार लेख है कि "Prerana: The School Of Experiential Learning" Program के अन्तर्गत 20 विद्यार्थियों (10 छात्र व 10 छात्रा) को एक सप्ताह के लिए आवासीय प्रेरणा स्कूल, वडनगर, गुजरात में प्रेरणादायक कार्यक्रम (Inspirational Program) हेतु सम्मिलित होने का अवसर प्रदान किया जाना है। इस हेतु प्रेरणा पोर्टल के लिंक—<https://prerana.education.gov.in/> पर ऑनलाइन पंजीकरण किया जाना है। अतः कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु निम्नानुसार निर्देशित किया जाता है :-

- जिले के न्यूनतम 50 विद्यालयों (10 शहरी व 40 ग्रामीण, SVMS/KGBV को सम्मिलित करते हुए) से प्रत्येक विद्यालय से न्यूनतम 20—20 विद्यार्थियों (कक्षा—09 से 12, 10 छात्र व 10 छात्रा) का पंजीकरण उक्त पोर्टल लिंक के माध्यम से दिनांक : 21.01.2024 तक किया जाना है।
- विद्यालय स्तर पर दिनांक : 22.01.2024 को उक्त पंजीकृत में से क्विज/गतिविधि/विशेष उपलब्धि के आधार पर 04—04 विद्यार्थियों (02 छात्र व 02 छात्रा) का चयन किया जायेगा। इस प्रकार प्रत्येक जिले से 200 विद्यार्थियों (100 छात्र व 100 छात्रा) का चयन किया जायेगा।
- चयनित सभी 200 प्रतिभागी जिले के नोडल विद्यालय (जवाहर नवोदय विद्यालय) में प्रेरणा उत्सव में नियत तिथि को भाग लेकर विभिन्न माध्यमों से दिये गये विषय जैसे कि "मुझे प्रेरणा के लिए क्यों चुना जाना चाहिए" या "माई विजन ऑफ इंडिया @ 2047" आदि पर अपनी अभिव्यक्ति प्रदर्शित करेंगे। नियत तिथि हेतु जिले के नोडल विद्यालय (जवाहर नवोदय विद्यालय) के प्रधानाचार्य से सम्पर्क किया जाए।
- यदि किसी नवीन जिले में जवाहर नवोदय विद्यालय स्थित न हो तो वह अपने पुराने जिले में स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय के माध्यम से उक्त गतिविधियाँ आयोजित करेगा।
- विद्यार्थियों का चयन कम से कम 50 प्रतिशत ग्रामीण व 50 प्रतिशत छात्राओं और अन्य सभी श्रेणियों के प्रतिनिधित्व को ध्यान में रखते हुए किया जावे।
- "जवाहर नवोदय विद्यालय समिति" द्वारा "प्रेरणा प्रतियोगिता" आयोजित कर प्रत्येक जिले से 02 विद्यार्थियों (01 छात्र व 01 छात्रा) का चयन किया जायेगा तथा 02 विद्यार्थी (01 छात्र व 01 छात्रा) प्रतीक्षा सूची में रखे जायेंगे।
- उक्तानुसार जिले से चयनित विद्यार्थियों अलग—अलग बैच में भागीदारी हेतु निर्धारित दिवस को अहमदाबाद, गुजरात भेजा जाना है तथा चयनित छात्राओं के साथ उसी विद्यालय की एक महिला शिक्षिका को भी अनिवार्य रूप से भेजा जाना सुनिश्चित करें। उस विद्यालय में महिला शिक्षिका कार्यरत नहीं होने की स्थिति में उस जिले की जवाहर नवोदय विद्यालय द्वारा महिला शिक्षिका नियुक्त की जाएगी।

Signature valid

RajKaj Ref
5357145



Digitally signed by Rakesh Kumar
Harsh
Designation : Deputy Director
Date: 2024.01.16 18:48:58 IST
Reason: Approved

- प्रथम दो बैचों में डूंगरपुर, बांसवाडा, सिरौही व उदयपुर के विद्यार्थी गुजरात भेजे जा चुके हैं। तृतीय बैच में पाली व चित्तौडगढ़ तथा चतुर्थ बैच में राजसमन्द व भीलवाड़ा के विद्यार्थी भेजे जायेंगे।
- पाली, चित्तौडगढ़, राजसमन्द व भीलवाड़ा में दिनांक : 18.01.2024 तक पोर्टल पर पंजीकरण अनिवार्य रूप से सम्पन्न किया जाए। इन जिलों में दिनांक : 19.01.2024 को सम्बन्धित **जिले के नोडल विद्यालय (जवाहर नवोदय विद्यालय)** में प्रेरणा उत्सव में नियत तिथि को भाग लेकर विभिन्न माध्यमों से दिये गये विषय जैसे कि **“मुझे प्रेरणा के लिए क्यों चुना जाना चाहिए”** या **“माई विजन ऑफ इंडिया @ 2047”** आदि पर अपनी अभिव्यक्ति प्रदर्शित करेंगे।

इस कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु आप अपने जिले के जवाहर नवोदय विद्यालय के प्रधानाचार्य से समन्वय बनाकर समयबद्ध रूप से समस्त कार्य सम्पादित करें।

बजट सम्बन्धी दिशा-निर्देश राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्, समग्र शिक्षा, जयपुर के द्वारा पृथक से जारी किये जायेंगे।

ऑनलाइन पंजीकरण तथा कार्यक्रम के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई असुविधा के निराकरण/अन्य जानकारी प्राप्त किये जाने हेतु **श्री रमेश कुमार हर्ष, उप निदेशक (माध्यमिक)**, निदेशालय माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर (मो.नं. 9414004164) एवं **डॉ. पुष्पा कुमारी, उप निदेशक, राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्, जयपुर (मो.नं. 9166009900)** से सम्पर्क किया जा सकता है।

संलग्न :- यथोक्त।

(रमेश कुमार हर्ष)
उपनिदेशक (माध्यमिक)
माध्यमिक शिक्षा राजस्थान
बीकानेर

प्रतिलिपि : निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है :-

1. निजी सचिव, सचिव, शिक्षा मंत्रालय, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली।
2. निजी सचिव, शासन सचिव, स्कूल शिक्षा एवं भाषा विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर।
3. निजी सचिव, राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त, राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्, जयपुर।
4. निदेशक, राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर।
5. समस्त संयुक्त निदेशक, स्कूल शिक्षा।
6. समस्त मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला परियोजना समन्वयक, समग्र शिक्षा।
7. सम्बन्धित प्रधानाचार्य, जवाहर नवोदय विद्यालय।
8. लेखाधिकारी, बजट अनुभाग, कार्यालय हाजा।
9. रक्षित पत्रावली।

उपनिदेशक (माध्यमिक)
माध्यमिक शिक्षा राजस्थान
बीकानेर

Signature valid

RajKaj Ref
5357145

Digitally signed by Ramesh Kumar Harsh
Designation : Deputy Director
Date: 2024.01.16 18:48:58 IST
Reason: Approved

कार्यालय—निदेशक, माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर

क्रमांक: शिविरा—माध्य/मा—स/विविध(25)/बो—2/2022—23/

दिनांक: 05.01.2024

जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय),
माध्यमिक शिक्षा,
डूंगरपुर/बांसवाड़ा/उदयपुर/सिरोही।

अति-आवश्यक

विषय:—"Prerana : The School Of Experiential Learning" Program के सम्बन्ध में।

प्रसंग:—सचिव, शिक्षा मंत्रालय, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, भारत सरकार का D.O.

No. 7-2/2022-Sch.4/IS-17 Date 03.01.2024

उपर्युक्त विषय एवं प्रसंगान्तर्गत लेख है कि **"Prerana: The School Of Experiential Learning" Program** के अन्तर्गत 20 विद्यार्थियों (10 छात्र व 10 छात्रा) को एक सप्ताह के लिए आवासीय प्रेरणा स्कूल, वडनगर, गुजरात में प्रेरणादायक कार्यक्रम (Inspirational Program) हेतु सम्मिलित होने का अवसर प्रदान किया जाना है। इस हेतु प्रेरणा पोर्टल के लिंक—<https://prerana.education.gov.in/> पर ऑनलाइन पंजीकरण किया जाना है। अतः कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु निम्नानुसार निर्देशित किया जाता है :—

- जिले के न्यूनतम 50 विद्यालयों (10 शहरी व 40 ग्रामीण, SVMS/KGBV को सम्मिलित करते हुए) से प्रत्येक विद्यालय से न्यूनतम 20—20 विद्यार्थियों (कक्षा—09 से 12, 10 छात्र व 10 छात्रा) का पंजीकरण उक्त पोर्टल लिंक के माध्यम से दिनांक: 06.01.2024 को किया जाना है।
- विद्यालय स्तर दिनांक: 08.01.2024 को उक्त पंजीकृत में से विजय/गतिविधि/विशेष उपलब्धि के आधार पर 04—04 विद्यार्थियों (02 छात्र व 02 छात्रा) का चयन किया जायेगा। इस प्रकार प्रत्येक जिले से 200 विद्यार्थियों (100 छात्र व 100 छात्रा) का चयन किया जायेगा।
- चयनित सभी 200 प्रतिभागी दिनांक: 09.01.2024 को **जिले के नोडल विद्यालय (जवाहर नवोदय विद्यालय)** में प्रेरणा उत्सव में भाग लेकर विभिन्न माध्यमों से दिये गये विषय जैसे कि **"मुझे प्रेरणा के लिए क्यों चुना जाना चाहिए"** या **"माई विजन ऑफ इंडिया @ 2047"** आदि पर अपनी अभिव्यक्ति प्रदर्शित करेंगे।
- विद्यार्थियों का चयन कम से कम 50 प्रतिशत ग्रामीण व 50 प्रतिशत छात्राओं और अन्य सभी श्रेणियों के प्रतिनिधित्व को ध्यान में रखते हुए किया जावे।
- "जवाहर नवोदय विद्यालय समिति" द्वारा **"प्रेरणा प्रतियोगिता"** आयोजित कर प्रत्येक जिले से 02 विद्यार्थियों (01 छात्र व 01 छात्रा) का चयन किया जायेगा तथा 02 विद्यार्थी (01 छात्र व 01 छात्रा) प्रतीक्षा सूची में रखे जायेंगे।
- उक्तानुसार जिले से चयनित विद्यार्थियों को दिनांक: 15.01.2024 एवं 22.01.2024 के बैच में भागीदारी हेतु निर्धारित दिवस को अहमदाबाद, गुजरात भेजा जाना है तथा चयनित छात्राओं के साथ उसी विद्यालय की एक महिला शिक्षिका को भी अनिवार्य रूप से भेजा जाना सुनिश्चित करें। उस विद्यालय में महिला शिक्षिका कार्यरत नहीं होने की स्थिति में उस जिले की जवाहर नवोदय विद्यालय द्वारा महिला शिक्षिका नियुक्त की जाएगी।

इस कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु आप अपने जिले के जवाहर नवोदय विद्यालय के संस्था प्रधान से निकट समन्वय बनाकर समयबद्ध रूप से समस्त कार्य सम्पादित करें।

Signature valid

RajKaj Ref
5293637



Digitally signed by Kana Ram
Designation: Director
Date: 2024.01.05 17:11:13 IST
Reason: Approved

कार्यक्रम के क्रियान्वयन हेतु निम्नांकित अधिकारियों को उनके नाम के सामने अंकित जिले का नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाता है :-

क्र.सं.	अधिकारी का नाम मय पदनाम	जिले का नाम
1	श्री प्रेमचन्द सांखला, संयुक्त निदेशक, स्कूल शिक्षा, जोधपुर सम्भाग, जोधपुर (मो.नं. 9414802911)	सिरोही
2	श्री पुष्पेन्द्र कुमार शर्मा, उप निदेशक (महात्मा गाँधी प्रकोष्ठ), कार्यालय संयुक्त निदेशक, स्कूल शिक्षा, उदयपुर सम्भाग, उदयपुर (मो.नं. 9413044946)	बांसवाड़ा
3	श्री सुरेन्द्र सिंह गौड़, अतिरिक्त निदेशक, राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर (मो.नं. 9414521952)	उदयपुर
4	श्रीमती इन्द्रा लट्टा, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला परियोजना समन्वयक, समग्र शिक्षा, डूंगरपुर (मो.नं. 9414307144)	डूंगरपुर

बजट सम्बन्धी दिशा-निर्देश राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्, समग्र शिक्षा, जयपुर के द्वारा पृथक से जारी किये जायेंगे।

ऑनलाइन पंजीकरण तथा कार्यक्रम के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई असुविधा के निराकरण/अन्य जानकारी प्राप्त किये जाने हेतु श्री रमेश कुमार हर्ष, उप निदेशक (माध्यमिक), निदेशालय माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर (मो.नं. 9414004164) एवं डॉ. पुष्पा कुमारी, उप निदेशक, राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्, जयपुर (मो.नं. 9166009900) से सम्पर्क किया जा सकता है।

संलग्न:-यथोक्त।

(काना राम)

आइ.ए.एस.

निदेशक

माध्यमिक शिक्षा राजस्थान

बीकानेर

प्रतिलिपि : निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है :-

1. निजी सचिव, सचिव, शिक्षा मंत्रालय, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली।
2. निजी सचिव, शासन सचिव, स्कूल शिक्षा एवं भाषा विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर।
3. निजी सचिव, राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त, राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्, जयपुर।
4. निदेशक, राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर।
5. संयुक्त निदेशक, स्कूल शिक्षा, पाली/जोधपुर/उदयपुर।
6. मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला परियोजना समन्वयक, समग्र शिक्षा, डूंगरपुर/सिरोही/बांसवाड़ा/उदयपुर।
7. प्राचार्य, जवाहर नवोदय विद्यालय, डूंगरपुर/बांसवाड़ा/उदयपुर/सिरोही।
8. अनुभाग अधिकारी, बजट अनुभाग, कार्यालय हाजा।

निदेशक

माध्यमिक शिक्षा राजस्थान

बीकानेर

Signature valid

RajKaj Ref
5293637

Digitally signed by Kana Ram
Designation: Director
Date: 2024.01.05 17:11:13 IST
Reason: Approved

संजय कुमार, भा.प्र.से
सचिव

Sanjay Kumar, IAS
Secretary



भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
Government of India
Ministry of Education
Department of School Education & Literacy

D.O. No. 7-2/2022-Sch.4/IS-17

3rd January, 2024

I am happy to inform you that the Department of School Education and Literacy, Ministry of Education is launching, "PRERANA: The School of Experiential Learning" program which is a one-of-its-kind inspirational program for students of Class 9-12. It is a one-week residential program for 20 students (10 girls and 10 boys) from 10 districts of different States / UTs at the PRERANA School at Vadnagar, Gujarat. JNV will be the nodal center for implementation of the program. The program is to be launched shortly and the selection process for the same is beginning today.

2. A portal has been developed for information and registration for PRERANA program. The link of the portal is <https://prerna.aicte-india.org/>. A concept note having all details related to PRERANA program is attached herewith. Willing students may register on the PRERANA Portal for selection to this uniquely ambitious and inspirational leadership program.

3. You are requested to disseminate the information of PRERANA Program to all the districts / block officers and schools immediately to ensure maximum participation of students from all districts of your State / UT. For any further details / information, Ms. Archana Sharma Awasthi, Joint Secretary, Tel. No. 011-23386232/ 9013853418 or Mr. Vinayak Garg, Commissioner, Jawahar Navodaya Vidyalaya, Tel. No. 0120-2975755/ 2975740 (Off.) can be contacted.

I request you to take personal interest for participation of your students in this Program. It would be once in a lifetime experience for the participants.

Encl : As above

Yours sincerely,
Sd/-

(Sanjay Kumar)

To:

1. Additional Chief Secretary/ Principal Secretary/ Secretary to 6 States / UT viz. Dadra and Nagar Haveli and Daman and Diu, Gujarat, Madhya Pradesh, Maharashtra, Rajasthan, Haryana
2. Commissioner, KVS
3. Chairperson, CBSE
4. Commissioner, JNV to take similar action in 6 States / UTs

Copy to: SPDs of 6 States / UTs viz. Dadra and Nagar Haveli and Daman and Diu, Gujarat, Madhya Pradesh, Maharashtra, Rajasthan, Haryana.

23/1/2024
(Sanjay Kumar)

PRERANA: School of Experiential Learning

A Mission to Inspire India - Framework

CONCEPT NOTE

1. Background

Great leaders around the world have looked back at their life and acknowledged their first school as a start of their inspirational journey to cause change. They all revisited their first school and transformed them into institutions of excellence to inspire the youth of their respective countries. Our Prime Minister Shri Narendra Modi started his journey at the vernacular school in Vadnagar. The Vernacular School (Lat 23.78, Long 72.64) in the city of Vadnagar, Gujarat was established in the year 1888 AD (at a cost of rupees 16,023/-) from Maharaja Sayajirao Gaekwad of the erstwhile Baroda State, Gujarat.

Prerana will be based in the living town of Vadnagar, district Mehsana, Gujarat, in the Vernacular school, of which the Hon'ble PM is an alumnus. Prerana - The Experiential Learning School is the vision to inspire Bharat. It is a one week residential program offering the best of experiential and inspirational learning, equipped with the latest in technology, for students across the country. The program will be implemented by the Department of School Education and Literacy, MoE.

Prerana School in Vadnagar will be the first of such schools, providing an experience due to its innovative and engaging curriculum which is a novel idea, and unlike traditional teaching, a pioneering concept acknowledging the fact that true education extends beyond textbooks and classrooms. It will be where history will meet innovation, and tradition is seamlessly woven into a future-focused educational experience.

At the heart of the curriculum is the philosophy of value-based education which is a cornerstone of the NEP 2020. Its essence lies not only in the present but also in the ancient knowledge system which will reinforce the value system, creating experiences that can be replicated and adapted to inspire learners far beyond its walls. This will be achieved through a framework of joyful experiential learning with field visits, collaborative learning, use of advanced technology and community interaction. Children will express their understanding through different mediums such as art work, podcasts, blogs, photo essays, models made through 3-D printing, jingles, digital posters, games, and a variety of other such outcomes. Exposure through activities done in this /programme/camp will develop a sense of citizenship, pride in their country and instil a sense of enterprise and entrepreneurship in the children. This will promote a respect for the great unity in diversity of Bharat and a spirit of "*Vasudhaiva Kutumbakam*".

The curriculum of Prerana will be based on 9 theme-based classrooms being designed as under:

- **Swabhiman and Vinay-** Pride for the country's heritage and achievements, self-respect, and nationalism and humility
- **Shaurya and Sahas-**Various forms of strong leadership, bravery, and courage
- **Parishram and Samarpan-** Knowledge and heritage from ancient India to modern India, persistence, and perseverance in the face of difficulties and hard work
- **Karuna and Sewa-** Selfless spirit of service and compassion for deprived communities, Development of social consciousness for the progress of the country and society,
- **Vividhta and Ekta** – Respect and inclusion of the country's diverse culture and heritage, spirit of unity in diversity
- **Satyanishtha and Shuchita** - True integrity, honesty, and dignified leadership in personal and social life, Virtues for a leader
- **Navachar and Jigyasa-** Technological and entrepreneurship development in India with innovation and creative thinking, Make in India
- **Shraddha and Vishwas-** Reliance on reliability, honesty or competence, faith to succeed and develop resilience for future endeavours
- **Swatantrata and Kartavya** – Value for freedom and how to uphold it alongwith a Sense of duty towards society and country

These nine values, around which Prerana is founded, are the values which are the hallmark of a great and true leader. The curriculum based on these themes is at **Annexure I**.

2. Objectives

The aim of Prerana is to inspire the students of all the districts of the country from a place from where the inspirational journey of our Prime Minister Shri Narendra Modi started. The week-long camp/programme at Prerana school is a journey of inspiration to invoke the 3 following fundamental themes:

- Who am I?
- What is our history and Cultural Heritage.
- What can I do for my country?

Prerana School creates opportunities for students to explore country's great culture through their journey of Vadnagar, a living city, its history, archaeology, and traditional Bhartiya Gyan Parampara. Students will learn to appreciate their heritage through state-of-the-art technology.

As the participants embark towards this program, they will be driven by a steadfast dedication to inculcate values intricately woven into the fabric of the

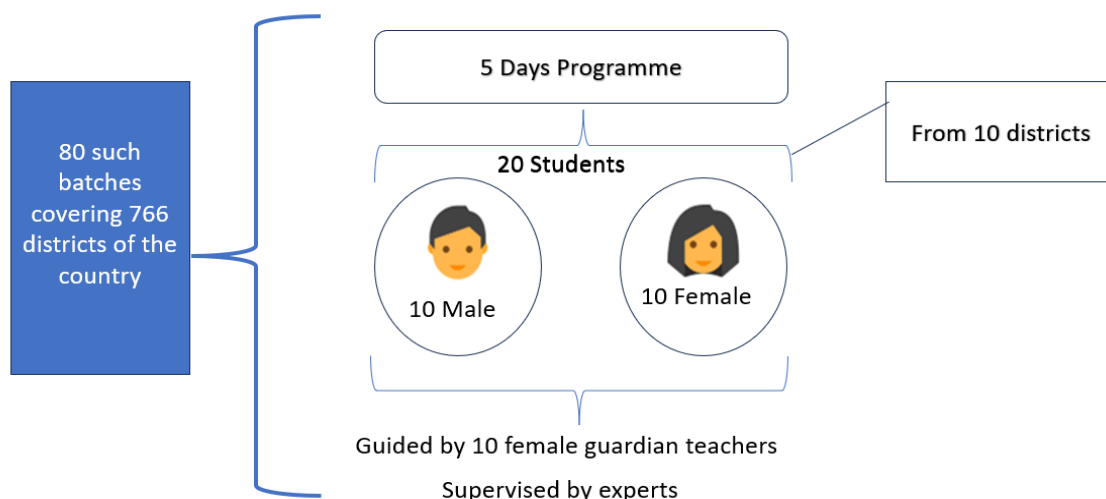
Indian education system—values that have endured the test of time and make effective leaders.

3. Outcomes

- Students to develop a sense of belonging and pride, and reflect on how they can contribute to nation building.
- Experiential learning inspires students to take on a productive and leadership role for the progress of the nation. The program is expected to make students learn about an innovative pedagogy through experiential and immersive learning.
- After attending the program and gaining from the diverse inputs, the participants would go back to their schools and become advocates and ambassadors of the values and experiences imbibed at Prerana School.
- The participants will carry the ethos of Prerana into their respective communities, become changemakers and spark positive change and inspire others.
- The program will directly benefit 1600 students and 800 guardian teachers in one cycle of 80 weeks, by providing them the 'Prerana Experience' specifically and the schools, community, and society at large when these students go back to their homes and spread the values learnt.

4. Implementation

- **Target beneficiaries** – The program will be for the students of Class IX to XII from each district of the country. The selection of Students will be done by a prescribed format and method through registration on **Prerana Portal**. The criteria will consider proportionate representation of gender, categories, CwSN and urban/rural population. This selection process will prioritise individuals with well-rounded personalities, driven by a deep passion and unwavering enthusiasm for shaping the future of our nation. The students will be accompanied with a female guardian teacher from the same district.
- **Main Program** – The full cycle of the program will be of **80 Weeks** to cover representation from all the districts in the country. Every Prerana Batch will have 20 students from 10 Districts of different States/UTs. Thus, 80 batches of 20 students (10 girls and 10 boys) and 10 Guardian Teacher each will be participating in the program.



- **The Navodaya Vidyalaya Samiti (NVS) will be the executing agency for the program in its pilot mode.** It will be responsible for the selection of students, guardian teachers, their travel arrangements, student kits etc
- At the initial/pilot stage of the programme, students from neighbouring states of Gujarat like Madhya Pradesh, Rajasthan, Maharashtra, Haryana, Dadra and Nagar Haveli and Daman and Diu, will be selected.
- **Guardian Teachers:** The Guardian teacher will be a female teacher of the same school where the girl student is coming from. If a female teacher is not available with the school of girl participant, NVS will provide a female teacher as guardian.
- **Mentors:** There will be mentors to provide the joyful experiential learning through different mediums and innovative techniques. The Mentors/Facilitators can be selected from experts in diverse fields. Mentors will possess basic IT skills and good communication skills. For each batch of twenty students and 10 guardian teachers, there will be 8 mentors. All the mentors will have different profiles/expertise to bring in diversity. In the initial phase, mentors have been selected from among the teachers of NVS and GCERT, out of which the last 30 mentors will be selected out of which 8 will be mentors and 8 will be backup mentors. Course design will be shared with the mentors and training given in advance so that they are prepared for the nature of this type of course.

5. Capacity building of Mentors/Facilitators

The mentors for each batch will deliver the activities prescribed in the curriculum for which they will be given a residential training and capacity building program(CBP). They will be appointed preferably for a year or 6 months at a time. The curriculum will be designed by IIM-A in collaboration with IIT-G and the CBP will be delivered at either institute. The curriculum will be implemented through hands on activities and excursions in and around Vadnagar.

The candidates will be given a 5 days training in experiential learning methodologies at the site, followed by refresher courses of two days thrice a year in online/offline mode. This will include feedback, monitoring, troubleshooting and handholding. They will be awarded certificates after the completion of course and teaching the programme. They will be required to maintain reflective journals and portfolios and encouraged to analyse, reflect, research, collaborate, create, and share through different activities so that they are equipped to run the 5 days course for students.

6. Prerana Curriculum: The course will include the following focus areas:

- ***Indigenous knowledge systems;***
 - Games and sports
 - Health & food related to Ayurveda
 - Sacred Geometry, Science & Art related to architecture,
 - Natural dyes, printing & weaving related to textiles
 - Astronomy
 - Performing and visual arts
 - Mythology and legends
- ***New technologies and their creative uses;***
 - Cameras, drones, computers, 3D printers etc
 - AR, VR, Video making, Jingles, photo-essays, digital posters/ newsletter/blogs/magazines etc.
- ***Inspirational Indians;***
 - Researching and getting inspired by figures and personalities from India like Sardar Patel, Bhagat Singh, B.R. Ambedkar, Mahatma Gandhi, Bal Gangadhar Tilak, Dr J.C Bose, APJ Abdul Kalam, Shri AB Vajpayee, , Sir CV Raman, Guru Teg Bahadur, Rani Laxmi Bai, Rani Chenamma, Birsa Munda, Lachit Borphukan, Surya Sen, Shri Narendra Modi, Shri K. Kasturirangan, etc
- **Visits:**
 - The participants will also visit archaeological and historical sites that make Vadnagar unique. They will also learn about the living traditions of other states in India. As participants from various corners of the country converge here, the cultural exchange becomes an invaluable aspect of the experience helping the participants gain insights into the local heritage and the diverse traditions that shape our nation.
 - In addition to excursions to archaeological and heritage sites, other diverse activities are also planned that will encompass visual, aural, and haptic modes of learning. The students will also understand the growth and glory of the country from ancient Indian civilisation right up to transforming into one of the top 5 economies and landing of Chandrayaan-III on Moon.

▪They will walk alongside the lives of real-life heroes who have exemplified these virtues, discovering how their choices transformed the country and the world. By the time they complete the 5 - day Prerana program, they will not just hold a certificate; they'll wield the power to make a positive impact wherever they go.

7. Day Wise Schedule and Activities

The day-wise program schedule will feature yoga, mindfulness, and meditation sessions, followed by experiential learning, thematic sessions, and hands on interesting learning activities. Evening activities will include visits to ancient and heritage sites, inspirational film screenings mission life activities, talent shows etc. ensuring a holistic learning approach. Apart from this, students will engage in diverse activities, embracing indigenous knowledge systems, new technologies, and inspirational figures.

Annexure I

समय	दिन 1
6.30 - 7.30 पूर्वाह्न	योग + प्राणायाम
7.30 8.30 पूर्वाह्न	-व्यक्तिगत समय
8.30 9.00 पूर्वाह्न	-नाशता मिशन LIFE गतिविधियों के साथ
9.00 9.30 पूर्वाह्न	-स्वागत सत्र (उद्घाटन) मातृभाषा में एक देशभक्ति गीत/एक लोक गीत एक प्रेरक उद्धरण/माननीय प्रधान मंत्री का भाषण (छात्रों को उद्धरण / भाषण के कुछ तत्वों के बारे में बात करने के लिए कहा जा सकता है और वे कैसे इससे संबंधित हो सकते हैं) आइस ब्रेकिंग गतिविधि: प्रत्येक व्यक्ति एक दूसरे के साथ बातचीत करके अगले का परिचय देता है
9.30- 11:00 पूर्वाह्न	मूल्य 1: स्वाभिमान और विनय स्वाभिमान और विनय पर चिंतन सबसे बड़े लोकतंत्र पर गर्व, प्राचीन विरासत, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष अन्वेषण, अन्य क्षेत्रों में भारत की वृद्धि गौरव की कहानियाँ सरदार पटेल, भगत सिंह, अंबेडकर, गांधी, तिलक, एपीजे अब्दुल कलाम, श्री एबी वाजपेई, श्री नरेंद्र मोदी, सर सीवी रमन जैसे प्रेरक व्यक्तित्वों के डोरी, बिंदी, रंग, मुखौटा आदि के साथ चित्र बनाएं।

	<p>गतिविधि-</p> <p>छात्रों द्वारा चर्चा: महान व्यक्ति का प्रेरक उद्धरण या किसी ऐसे व्यक्ति की कहानी जिसने अपने जिले / पड़ोसी जिले में समाज की निस्वार्थ सेवा की।</p>
<p>11.00 11.15 पूर्वाह्न</p>	<p>सुबह का ब्रेक सत्र और नाश्ता</p>
<p>सुबह 11.15 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक</p>	<p>मूल्य 2: शौर्य एवं साहस</p> <p>शौर्य और वीरता की कहानियाँ</p> <p>ऐसे उदाहरण जहां प्रधानमंत्री ने चुनौतियों का सामना करने के लिए साहसिक कदम उठाए हैं , जैसे कि कोविड-19 संकट, क्षेत्रीय विवाद और निडर नेतृत्व प्रदर्शित किया है।</p> <p>मगरमच्छ को ले जाने की कहानी, सशस्त्र बल सम्मान, महिला सशक्तिकरण और युवा वीरता सम्मान। एनसीसी पीवीसी पुरस्कार विजेताओं की कहानियाँ</p> <p>विद्यार्थियों द्वारा कहानियों का मंचन</p>
<p>12.30 2.00 अपराह्न</p>	<p>-दिन का खाना (श्लोक के जाप के साथ सर्वे भवन्तु)</p> <p>मिशन LIFE गतिविधियाँ</p>

02.00 6:00 अपराह्न	<p>साइट विज़िट: वडनगर पुरातत्व स्थल - पुरातत्व का प्रत्यक्ष अनुभव लें</p> <p>चिंतन: साइट पर</p> <ul style="list-style-type: none"> • अध्ययन के एक क्षेत्र के रूप में पुरातत्व • वडनगर सीप की चूड़ियाँ बनाने वाला एक व्यापारिक शहर है • एएसआई से सीप की चूड़ी मंगवाने को कहें और उसका महत्व बताएं • यदि संभव हो तो बच्चे एक चूड़ी बना सकते हैं
6.00 6.30 अपराह्न	<p>विश्राम/शाम का नाश्ता</p>
6.30 7.30 अपराह्न	<ul style="list-style-type: none"> • प्रतिभागियों की विभिन्न परंपराओं से लिए गए स्वदेशी खेल • भारत सरकार का आदर्श वाक्य – "सत्यमेव ज्येते" के अर्थ का चर्चा और समझ
7.30 8.30 अपराह्न	<p>रात्रिभोज, कहानी का समय और मिशन LIFE गतिविधियाँ</p> <p>गतिविधि-</p> <p>सभी छात्रों को अन्य सभी 19 प्रतिभागियों के जिलों और उनके नाम कहने की कोशिश करनी चाहिए।</p> <p>छात्रों को एक-दूसरे का नाम उसकी अच्छी गुणवत्ता / ताकत के साथ कहने की कोशिश करें</p> <p>प्रथम विश्व धर्म संसद में शिकागो में स्वामी विवेकानन्द के भाषण पर फिल्म</p>
8.30 9.30 अपराह्न	<p>खाली समय में निम्नलिखित गतिविधियाँ आयोजित की जा सकती हैं</p> <p>वृद्धाश्रम के सदस्यों के साथ साझा करना , जर्नल लेखन , रील/वीडियो अपलोड करना, दूरबीन से तारों को देखना, मेहमानों/समुदाय के साथ बातचीत, नाटक</p>

समय	दिन 2
6.30 -7.30 पूर्वाह्न	योग + प्राणायाम
7.30 - 8.30 पूर्वाह्न	व्यक्तिगत समय
8.30 - 9.00 पूर्वाह्न	नाश्ता मिशन LIFE गतिविधियों के साथ
9.00 - 9.30 पूर्वाह्न	<ul style="list-style-type: none"> • मातृभाषा में एक देशभक्ति गीत/एक लोकगीत • दिन का प्रेरक उद्धरण • पिछली रात की फिल्म से मूल्य पर विचार <p>एक प्रेरक उद्धरण/माननीय प्रधान मंत्री का भाषण (छात्रों को उद्धरण / भाषण के कुछ तत्वों के बारे में बात करने के लिए कहा जा सकता है और वे कैसे इससे संबंधित हो सकते हैं)</p>

<p>9.30-11:00 पूर्वाह्न</p>	<p>मूल्य 3: दृढ़ता और परिश्रम</p> <p>"ऐतिहासिक विरासत", "प्राचीन भारतीय उपलब्धियां", "अतीत और वर्तमान को जोड़ना" पर कहानियां/फिल्में अथक दृढ़ता की कहानियां, इस स्कूल के एक छात्र से पीएम बनने तक पीएम के विकास की कहानी। छात्र कहानी का अभिनय कर सकते हैं - बड़े पैमाने पर भूकंप और अकाल के बावजूद वडनगर बचा रहा और फला-फूला - डिस्कवरी द्वारा डॉक्यूमेंट्री दिखाई जाएगी</p> <p>कभी हार न मानने का पाठ और छात्र इसे अपनी पसंद के क्षेत्र जैसे खेल, विज्ञान आदि के साथ कैसे एकीकृत कर सकते हैं।</p>
<p>11.00 11.15 पूर्वाह्न</p>	<p>सुबह का ब्रेक सत्र और नाश्ता</p>
<p>सुबह 11.15 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक</p>	<p>मूल्य 4: संवेदना, सेवा और कर्तव्य</p> <p>गतिविधि:</p> <p><i>बुद्ध धर्म (हितोपदेश)</i> और शास्त्रीय भारतीय साहित्य से करुणा का चित्रण करने वाली चयनित कहानियाँ।</p> <p>इसके अलावा, करुणा के प्रतीक कुछ ऐतिहासिक शख्सियतें (अशोक के कुछ शिलालेख, सामाजिक नैतिकता और जिम्मेदारियां चुनें।)</p> <p>आम आदमी पद्म पुरस्कार विजेताओं पर लघु वृत्तचित्र/कहानियाँ।</p> <p>करुणा की वास्तविक जीवन की कहानियां और सहानुभूति विकसित करने के लिए उनके प्रभाव जैसे अहमदाबाद में मैकेनिक द्वारा स्ट्रीट स्कूल खोलना, मेहसाणा के भिखारी का नेत्रहीन लड़कियों के लिए एक स्कूल को दान देना आदि।</p> <p>मन की बात पर चर्चा-प्रत्येक छात्र अपने मन की बात अपने साथियों के साथ साझा करेंगे</p>
<p>12.30 - 2.00 अपराह्न</p>	<p>दिन का खाना (श्लोक के जाप के साथ" सर्वे भवन्तु)</p> <p>मिशन LIFE गतिविधियाँ</p>

<p>02.00 - 6:00 अपराह्न</p>	<p>साइट विज़िट: वीडिजी रेलवे स्टेशन - स्टेशन पर सफाई अभियान - सड़क पर फेरीवालों के साथ बातचीत और उनकी व्यावसायिक चुनौतियाँ, -मंच पर पुरानी कहानियाँ सुनाते गाँव के एक बुजुर्ग के साथ बातचीत</p> <p>चिंतन: साइट पर वडनगर स्ट्रीट फेरीवालों का अवलोकन, क्या अच्छा हुआ - क्या ग़लत हुआ, लाभ या हानि, उद्यमिता चुनौतियाँ, कहानियों पर चिंतन</p> <p>साइट विज़िट : सोमाभाई द्वारा संचालित वृद्धाश्रम प्रतिभागी करुणा के बारे में अपने अनुभव और विचार साझा कर सकते हैं</p>
<p>6.00 - 6.30 अपराह्न</p>	<p>विश्राम/शाम का नाश्ता</p>
<p>6.30 - 7.30 अपराह्न</p>	<p>प्रतिभागियों की विभिन्न परंपराओं से लिए गए स्वदेशी खेल एनसीईआरटी आदर्श वाक्य – "विद्या अमृतम अश्नुते" के अर्थ का चर्चा और समझ</p>
<p>7.30 - 8.30 अपराह्न</p>	<p>रात्रिभोज, कहानी का समय और मिशन LIFE गतिविधियाँ गतिविधि-अतिथियों/समिति के साथ बातचीत "ए ट्रिस्ट विद डेस्टिनी" पर फिल्म, हमारे स्वतंत्रता दिवस की आधी रात को श्री जवाहरलाल नेहरू का भाषण</p>
<p>8.30 - 9.30 अपराह्न</p> <p>असंरचित गतिविधियाँ</p>	<p>खाली समय में निम्नलिखित गतिविधियाँ आयोजित की जा सकती हैं वृद्धाश्रम के सदस्यों के साथ साझा करना , जर्नल लेखन , रील/वीडियो अपलोड करना, दूरबीन से तारों को देखना, मेहमानों/समुदाय के साथ बातचीत, नाटक</p>

समय	दिन 3
6.30 - 7.30 पूर्वाह्न	योग + प्राणायाम
7.30 - 8.30 पूर्वाह्न	व्यक्तिगत समय
8.30 - 9.00 पूर्वाह्न	नाश्ता मिशन LIFE गतिविधियों के साथ
9.00 - 9.30 पूर्वाह्न	<ul style="list-style-type: none"> • मातृभाषा में एक देशभक्ति गीत/एक लोकगीत • दिन का प्रेरक उद्घरण • पिछली रात की फिल्म से मूल्य पर विचार <p>एक प्रेरक उद्घरण/माननीय प्रधान मंत्री का भाषण (छात्रों को उद्घरण / भाषण के कुछ तत्वों के बारे में बात करने के लिए कहा जा सकता है और वे कैसे इससे संबंधित हो सकते हैं)</p>
9.30-11:00 पूर्वाह्न	<p>मूल्य 5: विविधता और एकता</p> <p>गतिविधि: विविधता का उत्सव:</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. भाषा अनेक, परंतु भाव एक 2. व्यवस्था अनेक, परंतु हेतु एक <p>भाषाएं (लिखित और मौखिक), संस्कृतियां (परंपराएं और रीति-रिवाज), स्वास्थ्य देखभाल (विभिन्न क्षेत्रों की पारंपरिक दवाएं) सहित मानवशास्त्रीय विविधता प्रतिभागियों की बातचीत: एक-दूसरे के राज्यों के बारे में जानना और सीखना। छात्र अपने क्षेत्र की उन कलाकृतियों/वस्तुओं के बारे में बताते हैं जो उन्होंने उनसे खरीदी हैं।</p> <p>गतिविधि: भारत का नक्शा</p> <p>भारत के राज्यों की बड़े आकार की पहली को इकट्ठा करें (छात्र उन राज्यों पर ध्यान केंद्रित करें जहां से वे नहीं हैं)</p> <p>भारतीय भाषाओं का मानचित्र और उन्हें सुनें (ऑडियो)</p>

	उनकी भाषा के शब्द/वाक्यांश/मुहावरे साझा करें (संकेत) गतिविधि: छात्रों द्वारा लाए गए अपने संबंधित जिले के ऐतिहासिक स्थान की तस्वीरें कमरे में प्रदर्शित की जाएंगी और छात्र वही समझाएंगे।
11.00 11.15 पूर्वाह्न	सुबह का ब्रेक सत्र और नाश्ता
सुबह 11.15 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक	मूल्य 6: सत्यनिष्ठा और शुचिता गतिविधि: सीसीएल चरखा जनरेटर - गांधीजी के चरखे के दर्शन पर चर्चा करें - एक विशेष सभा आयोजित करें जहां एक अतिथि वक्ता गांधीवादी सिद्धांतों और चरखे के महत्व के बारे में बात करें। इसके बाद, छात्रों से इस बात पर विचार करने को कहें कि कैसे सूत कातने का कार्य गरिमा, सादगी और सामुदायिक एकता का प्रतीक हो सकता है। - सत्यनिष्ठा एवं गरिमा की कहानियों/लोककथाओं पर चर्चा- ताना रीरी की कहानी - वडनगर-ताना-रीरी पुरस्कार-ताना रीरी संगीत समारोह के संदर्भ में चर्चा
12.30 - 2.00 अपराह्न	दिन का खाना (श्लोक के जाप के साथ" सर्वे भवन्तु) मिशन LIFE गतिविधियाँ
02.00 - 6:00 अपराह्न	साइट विज़िट: शर्मिष्ठा झील, तानारीरी उद्यान फोल्डस्कोप (माइक्रोस्कोप) बनाना और पानी के नमूनों का अवलोकन, झील की कहानी, पानी के नमूने एकत्र करना, बॉटल वॉटर की फिल्म की कहानी देखें चिंतन: साइट पर झील के उपयोग, झील का जलग्रहण क्षेत्र, कीड़ों सहित जलीय जीवन, जल प्रदूषण
6.00 - 6.30 अपराह्न	विश्राम/शाम का नाश्ता

6.30 - 7.30 अपराह्न	<ul style="list-style-type: none"> • प्रतिभागियों की विभिन्न परंपराओं से लिए गए स्वदेशी खेल • मेहमानों के लिए खाना पकाना • विभिन्न राज्यों के पारंपरिक भोजन की तैयारी में सहायता करना।
7.30 - 8.30 अपराह्न	<p>रात्रिभोज, कहानी का समय और मिशन LIFE गतिविधियाँ</p> <p>गतिविधि</p> <p>प्रत्येक छात्र दूसरे राज्य की भाषा में 2-3 वाक्य साझा करेगा।</p> <p>श्री अटल बिहारी वाजपेयी के शिक्षा के भाषण पर फिल्म</p>
8.30 - 9.30 अपराह्न असंरचित गतिविधियाँ	<p>खाली समय में निम्नलिखित गतिविधियाँ आयोजित की जा सकती हैं</p> <p>वृद्धाश्रम के सदस्यों के साथ साझा करना , जर्नल लेखन , रील/वीडियो अपलोड करना, दूरबीन से तारों को देखना, मेहमानों/समुदाय के साथ बातचीत, नाटक</p>

समय	दिन 4
6.30 -7.30 पूर्वाह्न	योग + प्राणायाम
7.30 - 8.30 पूर्वाह्न	व्यक्तिगत समय
8.30 - 9.00 पूर्वाह्न	नाश्ता मिशन LIFE गतिविधियों के साथ

9.00 - 9.30 पूर्वाह्न

- मातृभाषा में एक देशभक्ति गीत/एक लोकगीत
- दिन का प्रेरक उद्घरण
- पिछली रात की फिल्म से मूल्य पर विचार

एक प्रेरक उद्घरण/माननीय प्रधान मंत्री का भाषण (छात्रों को उद्घरण / भाषण के कुछ तत्वों के बारे में बात करने के लिए कहा जा सकता है और वे कैसे इससे संबंधित हो सकते हैं)

9.30-11:00 पूर्वाह्न

मूल्य 7: नवाचार और जिज्ञासा

तकनीकी उन्नति पर माननीय प्रधानमंत्री का दृष्टिकोण (डिजिटल इंडिया, स्मार्ट सिटी, सौर ऊर्जा), सेमीकंडक्टर का महत्व और भारत सेमीकंडक्टर निर्माण का केंद्र बनने के लिए कसरत कस रहा है, मितव्ययी नवाचार (उदाहरण के लिए, चंद्रयान, मंगलयान, लागत के कुछ अंश पर यूपीआई) पर माननीय प्रधानमंत्री का दृष्टिकोण, गुजरात में गिफ्ट सिटी पर कहानी/फिल्म

गतिविधि: रेडियो बनाना

- एक चालू रेडियो बनाएं और ध्वनि सुनें/संचारित करें
- आजाद रेडियो और भारत छोड़ो आंदोलन की कहानी
- ड्रोन प्रौद्योगिकी पर प्रोत्साहन-इसके उपयोग और भविष्य
- प्रतिभागी अपना खुद का इनोवेटिव आइडिया पेश कर सकते हैं

गतिविधि: कंप्यूटर एडेड डिज़ाइनिंग - छात्र कंप्यूटर पर डिज़ाइन करना सीखते हैं

11.00 11.15 पूर्वाह्न

सुबह का ब्रेक सत्र और नाश्ता

<p>सुबह 11.15 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक</p>	<p>मूल्य 8: श्रद्धा और विश्वास गतिविधि: -मैं अपने देश के लिए क्या कर सकता हूँ -परिवर्तन करने वाले वास्तविक लोगों की कहानियाँ -मौलिक अधिकार और कर्तव्य कैसे साथ-साथ चलते हैं, इस पर चर्चा -सामाजिक व्यवस्था का संरक्षण और लोकतंत्र को मजबूत करना। -राष्ट्रीय बलिदानों का सम्मान करना, देश के प्रति कर्तव्य, गुरु तेग बहादुर, जलियांवाला बाग, रानी लक्ष्मी बाई, रानी चैनम्मा, बिरसा मुंडा, लाचित बोरफुकन, सूर्य सेन, भगत सिंह आदि जैसे देश भर के ऐतिहासिक शख्सियतों की विरासत की जांच करना और समाज पर उनके स्थायी प्रभाव. -भारत के सर्वोच्च न्यायालय के आदर्श वाक्य के अर्थ पर चर्चा और समझ – "यतो धर्मः ततो जयः" छात्र कहानी का अभिनय करते हैं/कविता लिखते हैं</p>
<p>12.30 - 2.00 अपराह्न</p>	<p>दिन का खाना (श्लोक के जाप के साथ सर्वे भवन्तु) मिशन LIFE गतिविधियाँ</p>
<p>02.00 - 6:00 अपराह्न</p>	<p>साइट विज़िट: वडनगर के स्थानीय विरासत स्थल और ग्राम समुदाय की बातचीत- बौद्ध और जैन मंदिर - साइट के दौरे पर चिंतन सारांश प्रस्तुति, अपने क्षेत्र से तुलना, यात्रा से मिले अनुभव और सीख पर चर्चा</p>
<p>6.00 - 6.30 अपराह्न</p>	<p>विश्राम/शाम का नाश्ता</p>
<p>6.30 - 7.30 अपराह्न</p>	<ul style="list-style-type: none"> • खेल/क्रीड़ा/किताबें • प्रतिभागियों की विभिन्न परंपराओं से लिए गए स्वदेशी खेल • CBSE आदर्श वाक्य- "असतो मा सद्गमय" के अर्थ का चर्चा और समझ

7.30 - 8.30 अपराह्न	<p>रात्रिभोज, कहानी का समय और मिशन LIFE गतिविधियाँ</p> <p>गतिविधि: कार्यक्रम के दौरान प्राप्त किये गए अनुभव का छात्रों द्वारा रोले प्ले</p> <p>15 अगस्त / 26 जनवरी के माननीय प्रधान मंत्री के भाषण की फिल्म</p> <p>फिल्म दिखाने के बाद माननीय प्रधान मंत्री के विभिन्न विचारों पे छात्रों द्वारा चर्चा किया जायेगा</p>
8.30 - 9.30 अपराह्न असंरचित गतिविधियाँ	<p>खाली समय में निम्नलिखित गतिविधियाँ आयोजित की जा सकती हैं</p> <p>वृद्धाश्रम के सदस्यों के साथ साझा करना , जर्नल लेखन , रील/वीडियो अपलोड करना, दूरबीन से तारों को देखना, मेहमानों/समुदाय के साथ बातचीत, नाटक</p>

समय	दिन 5
6.30 - 7.30 पूर्वाह्न	योग + प्राणायाम
7.30 - 8.30 पूर्वाह्न	व्यक्तिगत समय
8.30 - 9.00 पूर्वाह्न	नाश्ता मिशन LIFE गतिविधियों के साथ
9.00 - 9.30 पूर्वाह्न	<ul style="list-style-type: none"> • दिन का प्रेरक उद्घरण • पिछली रात की फिल्म से मूल्य पर विचार <p>एक प्रेरक उद्घरण/माननीय प्रधान मंत्री का भाषण (छात्रों को उद्घरण / भाषण के कुछ तत्वों के बारे में बात करने के लिए कहा जा सकता है और वे कैसे इससे संबंधित हो नवाचारी विज्ञासु है)</p> <p>पीएम के नक्शेकदम पर चलना</p>

<p>9.30-11:00 पूर्वाह्न</p>	<p>प्राचीन भारतीय विरासत की कहानियां/फिल्में/प्रदर्शन-युगेन युगेन भारत, भारतीय ज्ञान प्रणाली की व्याख्या</p> <ul style="list-style-type: none"> - अंक अंकन की दशमलव प्रणाली का भारतीय मूल (रोमन संख्याओं के साथ सभी बुनियादी संचालन का प्रयास करें) - विरहंका (फाइबोनैचि) संख्याएँ- - आर्यभट्ट और पृथ्वी का अक्षीय घूर्णन - पृथ्वी और चंद्रमा पर दिन-रात - चंद्रयान मिशन की कहानी <p>देश के विभिन्न भागों की पारंपरिक ज्ञान प्रणाली के उदाहरण (IKS)</p> <p>गतिविधि:</p> <p>प्रत्येक छात्र से उसके राज्य/जिले की एक लोक कहानी पूछें। वे विविध प्रदर्शन कलाओं के कुछ तत्व बना सकते हैं। मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया, स्टार्टअप इकोसिस्टम, आत्मनिर्भर भारत, प्रवासी भारतीय</p>
<p>11.00 11.15 पूर्वाह्न</p>	<p>सुबह का ब्रेक सत्र और नाश्ता</p>
<p>सुबह 11.15 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक</p>	<p>प्राचीन उदाहरणों, व्यक्तिगत सत्यनिष्ठा, पारदर्शी शासन के माध्यम से नैतिक नेतृत्व के सिद्धांत</p> <p>समूह गतिविधि :</p> <p>समूह बनाएं और विभिन्न नैतिक दुविधाओं वाले छात्रों को प्रस्तुत करें, जैसे ईमानदारी, निष्पक्षता या परस्पर विरोधी हितों से जुड़े परिदृश्य। एक कक्षा के रूप में इन परिदृश्यों पर चर्चा करें, छात्रों को अपने दृष्टिकोण, तर्क और संभावित समाधान साझा करने के लिए प्रोत्साहित करें। जैसे -स्वचालित वाहन और रोबोट, ऑनलाइन उत्पीड़न, मुक्त भाषण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता</p> <p>विशिष्ट अतिथि के साथ बातचीत जो अपने क्षेत्र जैसे राजनीति, खेल, विज्ञान, कला आदि का विशेषज्ञ हो सकता है।</p>
<p>12.30 - 2.00 अपराह्न</p>	<p>दिन का खाना (श्लोक के जाप के साथ सर्वे भवन्तु)</p> <p>मिशन LIFE गतिविधियाँ</p>

02.00 - 6:00 अपराह्न	साइट विज़िट: 400 साल पुराना हाटकेश्वर महादेव मंदिर और अन्य स्थल चिंतन: साइट पर - इतिहास, धार्मिक महत्व, पौराणिक कथाओं, वास्तुकला के बारे में जानें
6.00 - 6.30 अपराह्न	विश्राम/शाम का नाश्ता
6.30 - 7.30 अपराह्न	गतिविधि: चिंतन और साझा करना - अनुभव-पत्रिकाओं को साझा करना, - छात्रों द्वारा शूट की गई 2 मिनट की फिल्म दिखाना, सीखे गए सबक - प्रेरणा कार्यक्रम और अनुभव के बारे में एक व्यक्तिगत प्रशंसापत्र लिखना -प्रशंसा मंडल- छात्र बारी-बारी से किसी साथी सहपाठी के बारे में कुछ ऐसा व्यक्त करते हैं जिसकी वे सराहना करते हैं। यह सकारात्मक मान्यता और आपसी सम्मान को बढ़ावा देता है। देश के लिए मेरी प्रतिबद्धता - उन परिवर्तनों को सूचीबद्ध करना जो हर कोई समाज में कर सकता है।
7.30 - 8.30 अपराह्न	रात्रिभोज के बाद प्रत्येक प्रतिभागी/अभिभावक शिक्षकों द्वारा लगभग 3 मिनट का छोटा प्रतिभा प्रदर्शन
8.30 - 9.30 अपराह्न असंरचित गतिविधियाँ	अंतिम गतिविधि: एक संकल्प कार्यक्रम 'दीप से दीप जलाएँगे ' (ज्ञान और आशा का दीपक जलाना, स्वयं और साथी देशवासियों दोनों को प्रबुद्ध करने के लिए संकल्प का दीपक) या ' आत्मदीपो भव ' (बुद्ध की शिक्षा - स्वयं प्रकाशित/स्व-प्रेरित होना)
समय	दिन 6
6.30 -7.30 पूर्वाह्न	योग + प्राणायाम

7.30 - 8.30 पूर्वाह्न	व्यक्तिगत समय
8.30 - 9.00 पूर्वाह्न	नाश्ता मिशन LIFE गतिविधियों के साथ
9.00 - 9.30 पूर्वाह्न	<ul style="list-style-type: none"> • सूर्य मंदिर मोढेरा की यात्रा
9.30-11:00 पूर्वाह्न	<p>- गांधीनगर/ अहमदाबाद वापस यात्रा और वापस अपने स्थान पर लौट आएं</p>
टिप्पणियाँ	<ol style="list-style-type: none"> 1. प्रसंग -आधारित कक्षाओं में सत्र और फ्रील्ड विजिट्स, मौसम और अन्य आवश्यकताओं के अनुसार आयोजित किया जा सकते हैं 2. सभी फ्रील्ड विजिट्स से पहले पर्याप्त तैयारी की जानी चाहिए - जिसमें स्वयं कुछ छात्रों द्वारा संक्षिप्त प्रस्तुतियाँ, किसी लेख/वीडियो पर चर्चा आदि शामिल हो सकती हैं। 3. प्रेरणा के छात्रों और पास के नियमित स्कूल के छात्रों के बीच कुछ बातचीत की योजना बनाई जा सकती है, वडनगर और उनके होमटाउन में जीवन के बारे में जानकारी का आदान-प्रदान किया जा सकता है या उन्हें किसी खेल या गतिविधि में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जा सकता है। 4. प्रत्येक छात्र प्रत्येक दिन अन्य भाषाओं के कुछ वाक्य सीखेंगे। 5. छात्र विशेष अवसरों पर अपनी स्थानीय पोशाक पहन सकते हैं। 6. छात्रों को पहले चार दिनों में जो भी दिलचस्प लगे उसके बारे में अपने फोन पर 2 मिनट का वीडियो रिकॉर्ड करना होगा जिसे अंतिम दिन सभी को दिखाया जाएगा और चर्चा की जाएगी।

7. मिशन Life

गतिविधियाँ – **I:** पहले दिन का दोपहर का भोजन समाप्त करने के बाद सभी प्रतिभागी अपनी प्लेट के साथ बैठ सकते हैं, एक संरक्षक प्लेटों का निरीक्षण कर सकता है कि क्या किसी ने कुछ बर्बाद किया है, और उन्हें सिर्फ यह बता सकता है कि प्लेट में कुछ भी नहीं छोड़ा जाना चाहिए, करोड़ों लोगों के भूखे होने पर भोजन बर्बाद नहीं किया जाना चाहिए, केवल उतना ही खाएं जितना आप केवल उतना ही खा सकते हैं जितना आपको जीने की आवश्यकता है, जीने के लिए जितना आपको चाहिए उससे अधिक न खाएं और संरक्षक भोजन के दौरान इसकी निगरानी कर सकते हैं।

गतिविधि - **II:** देखें कि कोई व्यक्ति हाथों/ प्लेटों आदि को धोने के लिए पानी का कितना उपयोग करता है और उन्हें कम से कम पानी का उपभोग करने के लिए कहें, पानी और इसके महत्व को समझाएं संरक्षण, स्थिरता आदि।

गतिविधि - **III:** प्रतिभागियों के चलने के रास्ते पर बस एक चॉकलेट कवर रखें, देखें कि क्या कोई इसे उठाता है और कूड़ेदान में डालता है